

नान्दो, हम घर आ गए

कई हफ्तों से मेरी ज़िंदगी का एक पल बार-बार लौट रहा है। हम 1993 में थे, और उस दौर के लिए एक क्रांतिकारी शेविंग सिस्टम केलॉन्च के लिए, मेरे पिता और मैं वॉशिंगटन के लिए उड़े। वे बार-बार मुझसे पूछते रहे कि क्या मैं खुश हूँ और मुस्कुराते रहे। मैंने उन्हें अक्सर ऐसा नहीं देखा था, और इसने मुझे उत्सुक कर दिया — मानो वे मुझे कुछ महत्वपूर्ण बताने के सही पल का इंतज़ार कर रहे हों।

एक दोपहर, काम के बाद, हम नदी किनारे एक घाट पर टहल रहे थे। उन्होंने मेरी बाँह पकड़ी, मुझे करीब खींचा, और कहा: “नान्दो... हम अमेरिका में हैं। नान्दो... हम घर आ गए।”

वे खुश थे — आँखें भरी हुई, लगभग भावुक, लगभग रोने को तैयार। पर मैं शब्दों से आगे उनका असली मतलब समझने के लिए बहुत छोटा था।

आज, मैं इसे भूल नहीं पाता। लगभग सात महीने हो गए हैं जब यह स्मृति बार-बार लौटती है, मेरे मन में चक्कर काटती है। तैंतीस साल बीत चुके हैं, और उन्हें गुज़रे एक साल हुआ है। पर उनका संकेत ऊँचा और स्पष्ट है: वे चाहते हैं कि मैं समझूँ कि मुझे फिर से जाने के लिए तैयार रहना है — घर वापस जाने के लिए। वह घर जिसने मुझे 61 साल पहले सिर्फ़ FedEx सारस की एक ग़लती के कारण नहीं अपनाया... पर यह एक और कहानी है।

यहाँ इटली में, मुझे लगता है जैसे मैं फलों के एक क्रेट के भीतर फंसा हूँ — किसी ऐसी चीज़ से सीमित, जो कभी मेरी नहीं थी।

मैं वहाँ कैसे पहुँचूँगा, मुझे कोई अंदाज़ा नहीं। मेरे 70 USD महीने के मेरा एकमात्र संसाधन हैं, और मैं पैसे के लिए किसी के पीछे नहीं भागता। मैं केवल सुंदर स्त्रियों के पीछे भागता हूँ — अगर वे बुद्धिमान हों। कोई बुराई नहीं, एक जुनून। उस स्त्री के प्रति कृतज्ञता का एक कर्ज़ जिसे कभी विज्ञापन की ज़रूरत नहीं — वह स्त्री जो तब भी मौजूद रहती है जब वह अकेली खड़ी हो।

और जब मैं आखिरकार वहाँ किसी कमरे में कदम रखूँगा, मेरी जेब में तीन कलाब्रियाई मिर्चें होंगी। मैं खुद को यह कहकर पेश करूँगा: “यह वह आग है — वह एकमात्र चीज़ जो हमें ज़िंदा रखती है और बीमार होने से बचाती है। यह मुँह में शुरू होती है और पिछवाड़े में खत्म होती है। बस प्रतिद्वंद्वियों को कभी पता न चलने दें।”

नान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com